



Mrs. Asha Sharma

06 Oct 1968

07:17 AM

Theog

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119678903

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 06/10/1968 : _____ जन्म तिथि _____ : 06/10/2025
 रविवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 07:17:00 : _____ जन्म समय _____ : 21:47:23 घंटे
 घटी 02:29:04 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 38:44:43 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Theog : _____ स्थान _____ : Theog
 उत्तर 31:07:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:07:00 उत्तर
 पूर्व 77:21:00 : _____ रेखांश _____ : 77:21:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:20:36 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:17:22 : _____ सूर्योदय _____ : 06:17:29
 17:59:42 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:59:28
 23:25:11 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:04
 तुला : _____ लग्न _____ : वृष
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 मीन : _____ राशि _____ : मीन
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : गुरु
 उ०भाद्रपद : _____ नक्षत्र _____ : उ०भाद्रपद
 शनि : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 4 : _____ चरण _____ : 3
 ध्रुव : _____ योग _____ : ध्रुव
 बव : _____ करण _____ : विष्टि
 ज-- : _____ जन्म नामाक्षर _____ : झ-झनक
 तुला : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : तुला
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
 गौ : _____ योनि _____ : गौ
 मनुष्य : _____ गण _____ : मनुष्य
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 सिंह : _____ वर्ग _____ : सिंह
 57 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 58



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	3	01:25:29	तुला			लग्न			वृष	28:43:00	2	मृगशिरा
हस्त	3	19:27:04	कन्या			सूर्य			कन्या	19:27:04	3	हस्त
उ०भाद्रपद	4	14:37:26	मीन			चंद्र			मीन	12:49:10	3	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	1	15:31:26	सिंह			मंगल			तुला	15:31:46	3	स्वाति
स्वाति	1	07:25:17	तुला	व	अ	बुध			तुला	05:45:29	4	चित्रा
उ०फाल्गुनी	1	28:45:49	सिंह			गुरु			मिथु	28:53:58	3	पुनर्वसु
स्वाति	4	18:04:10	तुला			शुक्र			सिंह	26:51:22	1	उ०फाल्गुनी
रेवती	4	29:24:02	मीन	व		शनि	व		मीन	03:07:07	4	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	4	16:13:30	मीन			राहु	व		कुंभ	24:01:17	2	पू०भाद्रपद
हस्त	2	16:13:30	कन्या			केतु	व		सिंह	24:01:17	4	पू०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	4	07:02:36	कन्या			मु			कर्क	01:25:29	4	पुनर्वसु

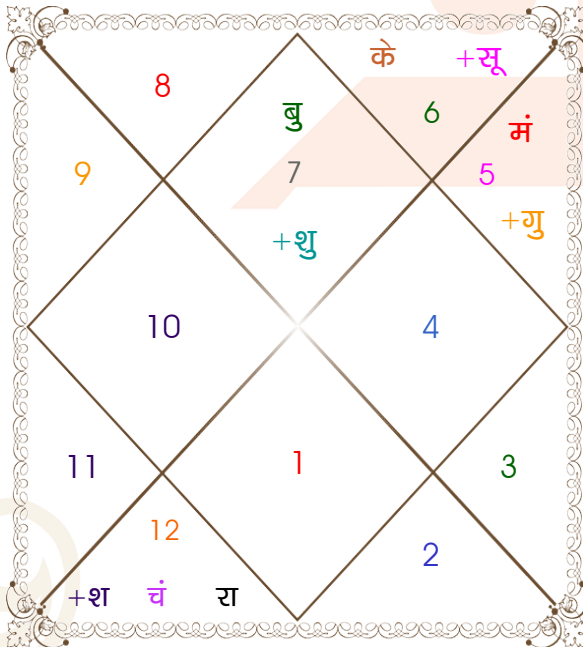
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

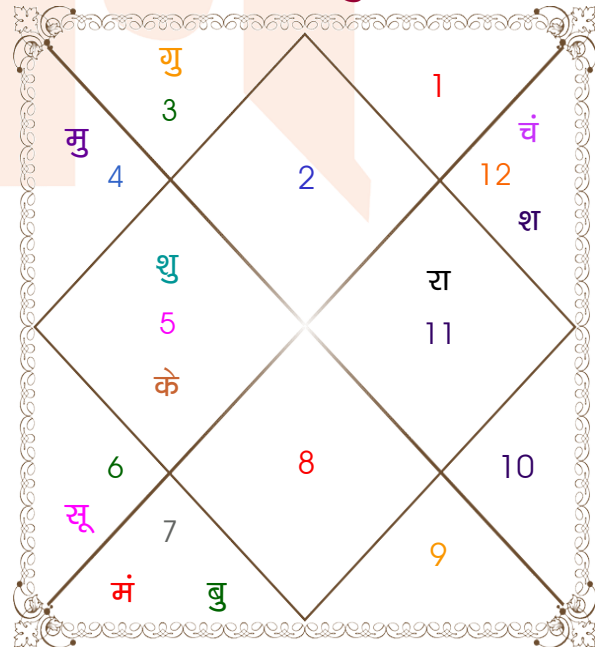
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - गुरु - राहु	चंद्र - शनि - शनि	चंद्र - शनि - बुध	चंद्र - शनि - केतु
22/09/2025 06:49	04/12/2025 08:01	05/03/2026 21:37	26/05/2026 19:52
04/12/2025 08:01	05/03/2026 21:37	26/05/2026 19:52	29/06/2026 13:31
राहु 03/10/2025 05:48	शनि 18/12/2025 19:58	बुध 17/03/2026 12:10	केतु 28/05/2026 19:06
गुरु 12/10/2025 23:34	बुध 31/12/2025 19:18	केतु 22/03/2026 06:52	शुक्र 03/06/2026 10:02
शनि 24/10/2025 13:09	केतु 06/01/2026 03:29	शुक्र 04/04/2026 22:34	सूर्य 05/06/2026 02:31
बुध 03/11/2025 21:31	शुक्र 21/01/2026 09:45	सूर्य 09/04/2026 00:53	चंद्र 07/06/2026 22:00
केतु 08/11/2025 03:48	सूर्य 25/01/2026 23:38	चंद्र 15/04/2026 20:44	मंगल 09/06/2026 21:13
शुक्र 20/11/2025 08:00	चंद्र 02/02/2026 14:46	मंगल 20/04/2026 15:26	राहु 14/06/2026 22:40
सूर्य 23/11/2025 23:39	मंगल 07/02/2026 22:58	राहु 02/05/2026 22:23	गुरु 19/06/2026 10:37
चंद्र 30/11/2025 01:45	राहु 21/02/2026 16:36	गुरु 13/05/2026 20:33	शनि 24/06/2026 18:49
मंगल 04/12/2025 08:01	गुरु 05/03/2026 21:37	शनि 26/05/2026 19:52	बुध 29/06/2026 13:31
चंद्र - शनि - शुक्र	चंद्र - शनि - सूर्य	चंद्र - शनि - चंद्र	चंद्र - शनि - मंगल
29/06/2026 13:31	03/10/2026 22:46	01/11/2026 20:44	20/12/2026 01:22
03/10/2026 22:46	01/11/2026 20:44	20/12/2026 01:22	22/01/2027 19:00
शुक्र 15/07/2026 15:03	सूर्य 05/10/2026 09:27	चंद्र 05/11/2026 21:07	मंगल 22/12/2026 00:35
सूर्य 20/07/2026 10:43	चंद्र 07/10/2026 19:17	मंगल 08/11/2026 16:35	राहु 27/12/2026 02:02
चंद्र 28/07/2026 11:29	मंगल 09/10/2026 11:46	राहु 15/11/2026 22:05	गुरु 31/12/2026 13:59
मंगल 03/08/2026 02:25	राहु 13/10/2026 19:52	गुरु 22/11/2026 08:18	शनि 05/01/2027 22:11
राहु 17/08/2026 13:25	गुरु 17/10/2026 16:24	शनि 29/11/2026 23:26	बुध 10/01/2027 16:53
गुरु 30/08/2026 09:51	शनि 22/10/2026 06:17	बुध 06/12/2026 19:17	केतु 12/01/2027 16:06
शनि 14/09/2026 16:07	बुध 26/10/2026 08:35	केतु 09/12/2026 14:45	शुक्र 18/01/2027 07:03
बुध 28/09/2026 07:49	केतु 28/10/2026 01:04	शुक्र 17/12/2026 15:32	सूर्य 19/01/2027 23:32
केतु 03/10/2026 22:46	शुक्र 01/11/2026 20:44	सूर्य 20/12/2026 01:22	चंद्र 22/01/2027 19:00
चंद्र - शनि - राहु	चंद्र - शनि - गुरु	चंद्र - बुध - बुध	चंद्र - बुध - केतु
22/01/2027 19:00	19/04/2027 12:55	05/07/2027 15:31	16/09/2027 22:49
19/04/2027 12:55	05/07/2027 15:31	16/09/2027 22:49	17/10/2027 03:13
राहु 04/02/2027 19:17	गुरु 29/04/2027 19:40	बुध 16/07/2027 00:45	केतु 18/09/2027 17:04
गुरु 16/02/2027 08:53	शनि 12/05/2027 00:41	केतु 20/07/2027 07:23	शुक्र 23/09/2027 17:48
शनि 02/03/2027 02:31	बुध 22/05/2027 22:51	शुक्र 01/08/2027 12:36	सूर्य 25/09/2027 06:01
बुध 14/03/2027 09:27	केतु 27/05/2027 10:48	सूर्य 05/08/2027 04:34	चंद्र 27/09/2027 18:23
केतु 19/03/2027 10:54	शुक्र 09/06/2027 07:14	चंद्र 11/08/2027 07:10	मंगल 29/09/2027 12:39
शुक्र 02/04/2027 21:53	सूर्य 13/06/2027 03:46	मंगल 15/08/2027 13:47	राहु 04/10/2027 01:19
सूर्य 07/04/2027 05:59	चंद्र 19/06/2027 13:59	राहु 26/08/2027 13:41	गुरु 08/10/2027 01:54
चंद्र 14/04/2027 11:29	मंगल 24/06/2027 01:56	गुरु 05/09/2027 08:15	शनि 12/10/2027 20:36
मंगल 19/04/2027 12:55	राहु 05/07/2027 15:31	शनि 16/09/2027 22:49	बुध 17/10/2027 03:13

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इस समय आप स्वस्थ रहेंगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य आपके प्रभाव तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी जिससे सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। धार्मिक एवं परोपकार संबन्धी कार्यों में भी इस समय आपके मन में रुचि उत्पन्न होगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य धार्मिक कार्य को सम्पन्न करेंगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आप श्रद्धा रखेंगी तथा नियमपूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगी। इसके साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए कार्य करेंगी तथा अन्यत्र भी अपनी ओर से यथा शक्ति आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से इच्छित सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगी।

इस वर्ष में बन्धुवर्ग, मित्र एवं संबधियों से आप पूर्ण सुख सहयोग एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ रहेंगी तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक महत्व के लोगों से भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी तथा ये सभी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी मानसिक संकल्प पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य भी सिद्ध होंगे जिससे आपके हृदय में शान्ति तथा प्रसन्नता विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त किसी धार्मिक पूजन या कोई तीर्थयात्रा करने में भी आप की रुचि उत्पन्न होगी। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं प्रसन्नता पूर्ण होगा।

